3. विविध समयों में जेण्डर
Gender in Various Time Periods

स्त्री-पुरुष की उत्पत्ति से लेकर वर्तमान समय तक विविध समयों में जेण्डर का स्वरूप विविध रूपों में देखा गया है। इसका वर्णन निम्नलिखित रूप में किया जा सकता है—

1. वैदिक काल में जेण्डर की परिभाषा (Definition of gender in vedic period) —वैदिक काल में स्त्री-पुरुष विभेद की स्थिति देखी जाती थी परन्तु स्त्री के प्रति सम्मान का भाव देखा जाता था, उसके प्रति किसी प्रकार के दुर्व्यवहार के प्रमाण नहीं मिलते। वैदिक काल में "यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता" की स्थिति देखी जाती थी। इसलिये वैदिक काल में जेण्डर मात्र स्त्री एवं पुरुष का विभाजन था। स्त्रियों को अपने भाव एवं विचार प्रकट करने की पूर्ण स्वतन्त्रता थी। **प्रो. एस.के. दुबे** के शब्दों में, "वैदिक काल में जेण्डर मात्र स्त्री-पुरुष विभेद का आधार नहीं था वरन् समाज में स्त्रियों को पुरुषों की भाँति सम्मान था तथा उनको विचार एवं भाव प्रकट करने की पूर्ण स्वतन्त्रता थी। इस स्थिति में स्त्री-पुरुष के मध्य अभूतपूर्व समन्वयन था।"

2. बौद्ध काल में जेण्डर की परिभाषा (Definition of gender in buddhist period)—बौद्ध काल में स्त्री-पुरुष दोनों में लैंगिक विभेद देखा जाता था परन्तु अधिकार, समानता, स्वतन्त्रता एवं आत्म सन्तोष की दृष्टि से यह काल उपयुक्त माना जाता था। बौद्ध काल में धर्म के रूप में सत्य एवं अहिंसा का वातावरण था। इसलिये स्त्रियों के प्रति अन्याय की स्थिति नहीं थी वरन् सभी स्त्रियों को पुरुषों की भाँति समान अधिकार प्राप्त थे।

Scanned with CamScanner

3. मध्य काल में जेण्डर की परिभाषा (Definition of gender in medieval period)—मध्य काल में जेण्डर को स्त्री एवं पुरुष में विभेदात्मक स्थिति के रूप में देखा जाता था। स्त्री एवं पुरुष के मध्य अधिकारों का विभाजन असमान था। स्त्री को भोग विलास की वस्तु के रूप में स्वीकार किया जाता था। उसके साथ अनेक प्रकार के अन्याय किये जाते थे। मुस्लिम काल में पर्दा प्रथा के नाम पर स्त्रियों को घर के अन्दर रहने दिया जाता था। उनको विचार प्रकट करने की तथा व्यावसायिक कर्म करने की अनुमति नहीं थी। **प्रो. एस.के. दुबे** लिखते हैं कि, "मध्यकाल में स्त्री-पुरुष के मध्य प्रत्येक दृष्टि से विभेद था तथा स्त्रियों की दयनीय दशा एवं दुर्व्यवहार के लिये पुरुष वर्ग पूर्णत: उत्तरदायी था। पुरुष वर्ग की दमनकारी नीति द्वारा स्त्रियों का इस समय निम्नतम स्थान था।"

4. ब्रिटिश काल में जेण्डर की परिभाषा (Definition of gender in british period)—ब्रिटिश काल में जेण्डर का अर्थ स्त्री-पुरुष विभाजन से था परन्तु स्त्रियों के सुधार के लिये भी इस काल को जाना जाता है। मध्य काल की स्त्रियों से सम्बन्धित दशा को सुधारने का कार्य इस काल में सम्पन्न हुआ। ब्रिटिश प्रशासक स्त्री एवं पुरुष के समान अधिकारों के पक्ष में थे। कुछ समाज सुधारकों ने जब इस कार्य को सम्पन्न किया तो ब्रिटिश सरकार द्वारा इसका समर्थन किया गया। इस प्रकार ब्रिटिश काल को स्त्री-पुरुष समानता की दृष्टि से सर्वोत्तम माना जाता है। इसमें सती प्रथा का विरोध किया गया तथा महिलाओं को जागरूक बनाने के उपाय किये गये।

5. स्वतन्त्रता के बाद जेण्डर की परिभाषा (Definition of gender after independence)—स्वतन्त्रता के बाद स्त्रियों की दशा में उत्तरोत्तर सुधार होता गया। वर्तमान समय में जेण्डर का कार्य स्त्री-पुरुष की संरचनात्मक स्थिति ज्ञान करने के लिये किया जाता है जिसके आधार पर स्त्रियों के लिये विशेष कल्याणकारी योजनाओं का निर्माण किया जा सके; जैसे—शिक्षा के क्षेत्र में बालिकाओं के नामांकन की स्थिति को देखकर यह ज्ञात किया जाता है कि कितनी बालिकाएँ अभी विद्यालय सुविधाओं या विद्यालय नामांकन से वंचित हैं। इस प्रकार की स्थिति में जेण्डर मात्र संरचनात्मक दृष्टि से उपयोग किया जाता है जिसके आधार पर विकासात्मक सन्तुलन, स्त्रियों की आरक्षण स्थिति एवं स्त्रियों को सर्वोत्तम सुविधाओं को उपलब्ध कराया जाता है। **प्रो. एस.के. दुबे** के शब्दों में, "स्वतन्त्रता के पश्चात् से वर्तमान काल तक जेण्डर का प्रमुख कार्य स्त्री एवं पुरुषों के वर्गीकरण से है जिसके आधार पर अधिकारों, विकास, समानता, स्वतन्त्रता एवं लैंगिक अनुपात की स्थिति की समीक्षा की जा सके तथा राष्ट्र के विकास में सभी का सहयोग लिया जा सके।"

उपरोक्त विवेचन से यह स्पष्ट हो जाता है कि विविध क्षेत्रों, समूहों तथा कालों में जेण्डर का अर्थ स्त्री-पुरुष विभाजन के लिये किया जाता रहा है परन्तु उसके आधार पर सम्पन्न होने वाली क्रियाओं, गतिविधियों, उद्देश्यों एवं लक्ष्यों में व्यापक अन्तर पाया जाता है। वर्तमान समय में लिंग वर्गीकरण का उद्देश्य विकास योजनाओं से सम्बन्धित होता है तो वैदिक काल में मात्र स्त्री-पुरुषों की संख्या से था।

Scanned with CamScanner